किसने तुम पर जादू कर दिया?

जादू किए जाने का क्या अर्थ है? और क्या यह संभव है कि तुम पर भी जादू किया गया हो?

तुम यह प्रश्न पूछ सकते हो—क्या परमेश्वर के लोग भी जादू के प्रभाव में आ सकते हैं?
उत्तर है हाँ। बाइबल बताती है कि ऐसा हो सकता है।
अब प्रश्न यह है कि वे किस प्रकार जादू के प्रभाव में आते हैं? आज हम यही समझेंगे।

परमेश्वर के लोगों पर जो “जादू” होता है, वह उस जादू से अलग है जिसे संसार के लोग समझते हैं। आज यदि “जादू” शब्द का उल्लेख किया जाए तो तुरंत लोगों के मन में टोना-टोटका या तांत्रिक क्रिया का विचार आता है।

आजकल यदि किसी के पास धन नहीं है तो लोग कहते हैं कि उस पर जादू कर दिया गया है।
यदि कोई व्यक्ति लंबे समय से बीमार है, तो लोग समझते हैं कि उस पर जादू किया गया है।
यदि किसी को मानसिक समस्या है तो तुरंत कहा जाता है कि वह जादू का शिकार है।
यदि किसी में कोई कमजोरी है तो लोग मान लेते हैं कि वह जादू के

कारण है।

लेकिन आज हम बाइबल के अनुसार “जादू” का वास्तविक अर्थ समझेंगे।

आइए पढ़ें:

गलातियों 3:1
“हे निर्बुद्धि गलातियों! किसने तुम पर जादू कर दिया कि तुम सत्य को न मानो? तुम्हारी आँखों के सामने तो यीशु मसीह का क्रूस पर चढ़ाया जाना मानो चित्रित किया गया था।
2 मैं तुम से यही एक बात जानना चाहता हूँ: क्या तुम ने आत्मा
को व्यवस्था के कामों से पाया या विश्वास के साथ सुनने से?
3 क्या तुम इतने निर्बुद्धि हो? क्या आत्मा से आरम्भ करके
अब शरीर के द्वारा सिद्ध होना चाहते हो?”

यदि तुम गलातियों की पूरी पुस्तक पढ़ो, तो देखोगे कि प्रेरित पौलुस पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से वहाँ के मसीहियों को कठोरता से समझा रहे थे। कारण यह था कि वे अपने पहले विश्वास को छोड़कर दूसरी शिक्षाओं की ओर मुड़ गए थे।

गलातिया के विश्वासियों ने परमेश्वर के साथ अच्छी शुरुआत की

थी। उन्होंने सच्चे मन से परमेश्वर की आराधना की और प्रेरितों से सीखी हुई यीशु मसीह की सच्ची शिक्षा को माना। लेकिन कुछ समय बाद अचानक वे झूठी शिक्षाओं के प्रभाव में आ गए और उन्हें मानने लगे, और इस प्रकार उन्होंने मसीह के वचन में अपने पहले सच्चे विश्वास को छोड़ दिया।

इसलिए बाइबल के अनुसार पहले विश्वास को छोड़कर भ्रामक शिक्षाओं की ओर मुड़ जाना ही “जादू किया जाना” कहलाता है।

और जहाँ जादू है वहाँ जादू करने वाला भी होता है।
गलातिया के इन विश्वासियों पर जो “जादू” कर रहे थे, वे उनके बीच उठ खड़े हुए झूठे शिक्षक थे। वे परमेश्वर के वचन को बिगाड़ रहे थे और लोगों को सत्य में चलने के बजाय केवल धार्मिक परंपराओं में बाँध रहे थे। वे लोगों को व्यवस्था का पालन करने के लिए बाध्य कर रहे थे, जो मसीह में विश्वास की शिक्षा के विरुद्ध था।

ऐसे लोगों के विषय में प्रेरित पौलुस ने कहा:

फिलिप्पियों 3:18-21

“क्योंकि बहुत से ऐसे लोग चलते हैं जिनके विषय में मैं ने
तुम से बार-बार कहा है और अब भी रोते-रोते कहता हूँ कि वे

मसीह के क्रूस के बैरी हैं।
19 उनका अंत विनाश है, उनका परमेश्वर उनका पेट है, और वे अपनी लज्जा की बातों में घमण्ड करते हैं; उनका ध्यान सांसारिक बातों पर लगा रहता है।
20 परन्तु हमारी नागरिकता स्वर्ग में है, जहाँ से हम एक उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह की बाट जोह रहे हैं।
21 वह अपनी शक्ति के अनुसार, जिसके द्वारा वह सब वस्तुओं को अपने वश में कर सकता है, हमारी दीन दशा की देह का रूप बदलकर
उसे अपनी महिमा की देह के समान बना देगा।”

प्रेरित पौलुस ने पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से यह भी कहा कि ऐसे लोग शापित हैं। जैसा कि गलातियों की पुस्तक के आरम्भ में लिखा है:

गलातियों 1:6-9

“मुझे आश्चर्य होता है कि तुम उस से जिसने तुम्हें मसीह के अनुग्रह में बुलाया है इतनी जल्दी फिरकर दूसरे सुसमाचार की
ओर चले जाते हो।
7 वास्तव में दूसरा कोई सुसमाचार है ही नहीं; परन्तु कुछ लोग हैं जो तुम्हें घबरा देते हैं और मसीह के सुसमाचार को बिगाड़ना चाहते हैं।
8 परन्तु यदि हम या स्वर्ग से कोई स्वर्गदूत भी उस सुसमाचार

को छोड़ जो हमने तुम्हें सुनाया है कोई और सुसमाचार सुनाए,
तो वह शापित हो।
9 जैसा हम पहले कह चुके हैं, वैसा ही अब भी कहता हूँ: यदि कोई तुम्हें उस सुसमाचार से भिन्न कुछ सुनाए जो तुम ने पाया है,
तो वह शापित हो।”

अब तुम समझ गए कि “जादू” का अर्थ क्या है?

क्या तुमने भी सच्चे विश्वास को छोड़ दिया है और ऐसे सुसमाचार की ओर मुड़ गए हो जो कहता है कि पृथ्वी पर उद्धार संभव नहीं है? क्या तुमने उस शिक्षा को छोड़ दिया है जो कहती है कि पवित्रता के बिना कोई प्रभु को नहीं देखेगा?

इब्रानियों 12:14
“सब मनुष्यों के साथ मेल-मिलाप और पवित्रता का पीछा करो,
जिसके बिना कोई प्रभु को न देखेगा।”

क्या तुम ऐसे सुसमाचार को मानने लगे हो जो कहता है कि यदि तुम किसी विशेष संप्रदाय के सदस्य नहीं हो तो स्वर्ग में नहीं जा सकते?

क्या तुमने उस शिक्षा को छोड़ दिया है जो कहती है कि व्यभिचारी, पियक्कड़, मूर्तिपूजक, चोर और अधर्मी लोग आग की झील में भाग पाएँगे?

क्या तुमने उस सुसमाचार को छोड़ दिया है जो कहता है:

इब्रानियों 9:27
“और जैसे मनुष्यों के लिये एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त है।”

और अब तुम ऐसी शिक्षा मानते हो कि मृत्यु के बाद दूसरा अवसर मिलता है या मृतकों के लिए प्रार्थना करके उन्हें नरक की पीड़ा से निकाला जा सकता है?

क्या तुमने उस शिक्षा को छोड़ दिया है जो कहती है कि परमेश्वर और मनुष्यों के बीच केवल एक ही मध्यस्थ है—यीशु मसीह—और अब तुम ऐसे सुसमाचार की ओर मुड़ गए हो जो कहता है कि यीशु के अतिरिक्त भी दूसरे मध्यस्थ हैं, जैसे मरियम या कोई और?

प्रिय भाई या बहन, यदि तुमने परमेश्वर के वचन की इन सच्चाइयों को छोड़कर ऐसी बातों को मान लिया है जो बाइबल में नहीं हैं, तो

समझ लो कि तुम पर जादू कर दिया गया है—उस प्रचारक ने, उस कलीसिया ने, या उस समूह ने तुम्हें धोखा दिया है। इसलिए तुरंत बाहर निकलो और बाइबल पढ़ना शुरू करो।

यदि कोई उपदेश सुनने के बाद तुम्हें परमेश्वर के वचन से प्रेम करने के बजाय संसार की बातों में अधिक रुचि होने लगे, तो समझ लो कि वह प्रचारक लोगों को भ्रमित कर रहा है।

यदि कोई उपदेश तुम्हें यीशु का अनुसरण करने और अपने जीवन को शुद्ध करने के लिए प्रेरित नहीं करता, बल्कि तुम्हें दूसरों से घृणा करने, बदला लेने, या पाप करने के लिए उकसाता है—तो जान लो कि वह उपदेश तुम्हें धोखा दे रहा है।

शैतान का सबसे बड़ा जादू यह नहीं है कि वह किसी को नौकरी या सफलता से रोक दे, या उसे संतान न होने दे। यह सब उसके छोटे काम हैं।

उसका सबसे बड़ा जादू यह है कि लोगों को मसीह को सही रूप में जानने से रोक दे, उन्हें विश्वास में ठंडा बना दे, उन्हें मूर्तिपूजा में लगा दे और उन्हें परमेश्वर के विरुद्ध कर दे। यही वह जादू है जिससे शैतान संसार को भ्रमित करता है।

और उसके सबसे बड़े सेवक कौन हैं?

न तो साधारण जादूगर, न तांत्रिक।

उसकी सबसे बड़ी सेना है झूठे भविष्यद्वक्ता—वे लोग जो परमेश्वर के वचन को तोड़-मरोड़ कर झूठ बनाते हैं।

इसी कारण बाइबल यह नहीं कहती कि अन्त के दिनों में बहुत से जादूगर होंगे, बल्कि यह कहती है कि बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, क्योंकि शैतान उन्हीं के द्वारा लोगों की आत्माओं को नष्ट करता है।

ये लोग स्वयं को सच्चे भविष्यद्वक्ता जैसा दिखाते हैं, लेकिन वे यीशु की सच्ची गवाही नहीं देते।

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, जो महान भविष्यद्वक्ता था, उसने पूरी शक्ति से यीशु की गवाही दी, क्योंकि वह जानता था कि यीशु के बिना जीवन नहीं है।

जैसा कि लिखा है:

प्रकाशितवाक्य 19:10

“क्योंकि यीशु की गवाही ही भविष्यद्वाणी की आत्मा है।”

इसलिए हमें बहुत सावधान रहना चाहिए।
ये अन्त के दिन हैं।

प्रभु आपको आशीष दे।

यदि आप चाहें तो मैं इसे और भी बेहतर “प्रचार/ब्लॉग शैली की शुद्ध हिंदी” में संपादित कर सकता हूँ ताकि यह भारत की मसीही वेबसाइट या पुस्तक में प्रकाशित करने योग्य हो जाए।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp